भरोसा कर ले जरा

तर्ज :- चिट्ठी ना कोई संदेश
(भरोसा कर ले जरा)

स्थाई - ये जग तो गिराएगा तुझे वो ही उठाएगा-2
भरोसा कर ले जरा -4
ये जग तो रुलाएगा , तुझे वो ही हंसाएगा ,
भरोसा कर ले जरा-2

अंतरा -1 इंसान मुखौटा है पल पल में ये बदले,
क्यों आस लगाता है सब मतलब के पगले,
तेरे सारे रिश्तों को , वो खूब निभाएगा ।
भरोसा कर ले जरा-2

2. तेरे लाख हो अच्छे कर्म, पर बुरा ही गाएंगे,
तुझे छोड़ भंवर अपने, फिर लौट ना आएंगे,
तेरी बीच भवर नैया ,भव पार कर आएगा।
भरोसा कर ले जरा-2

3. गहरे हैं जख्म तेरे भले खुद से छुपा लेना
बिन बोले सुनता है बस शीश झुका देना
कहे राधिका सांवरिया कर के ना जताएगा।
भरोसा कर ले जरा-2

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33114/title/bharosa-kar-le-jara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |